Harvard University
Urdu 102: Intermediate Urdu-Hindi

# शोले

Part 9

बसंती अपनी घोड़ी को घास दे रही है।

बसंती - ले। और ले। खा खाके घोड़ी हो गयी है, लेकिन यहाँ से बेलापुर जाना हो तो नख़रे देखो इनके। खाए जाओ भकर भकर।

मौसी - बसंती! ओ बसंती!

बसंती - मौसी मैं यहाँ हूँ इस गधिया के पास। (घोड़ी से कहती है) लो। अब इन की झिगझिग सुनो।

मौसी - अरे ओ छोकड़िया! दिन भर हवा हवा ही घूमती हो मगर मैं कोई काम बोलूँ तो जूँ नहीं रेंगती कान पर।

बसंती - लो और सुनो। अरे मौसी। तुम तो बस हुक़्क़ा पानी ले कर चढ़ जाती हो, सुनती तो हो नहीं। कौनसा काम कहा तुमने? वैद्य के पास जाने का न? तो मैं गयी थी तुम्हारी दवा लाने के लिये वैद्य जी के पास। अब वे थे नहीं तो मैं क्या करूँ? पड़ोसी कह रहे थे कि वे बहुत बीमार हैं और दूसरे गाँव गये हैं दवा दारू लाने के लिये।

मौसी - ओ हो, मैंने वैद्य का नाम भी नहीं लिया और तूने पूरी कथा सुना दी।

बसंती - तो फिर, फिर कौन-सा काम कहा था?

मौसी - कच्चे आम लाने को नहीं कहा था? अचार के लिये। पर तुझे याद रहे तब न।

बसंती - कच्चे आम? हम्म, हाँ हाँ, कहा तो था। अभी लाती हूँ। (चलती है)

**********

बसंती कच्चे आम लेने जा रही है। रास्ते में इमाम साहब मिलते हैं। इमाम साहब

अंधे हैं।

बसंती - इमाम साहब! मैं आपको छोड़ दूँ?

इमाम साहब - कौन? बसंती?

बसंती - हाँ।

इमाम साहब - आज तू है। कितने बरस हो गये मुझे इस गाँव में। तू तो पैदा भी नहीं हुई थी। लेकिन आज तक मस्जिद की सीढ़ियाँ बाद मैं उतरता हूँ, कोई न कोई सहारा पहले दे देता है।

बसंती - हाँ हाँ तो क्यों नहीं देगा सहारा? यूँकि ऐसा गाँव में कौन है जो आप की इज़्ज़त नहीं करता हो। जो इज़्ज़त करेगा, जो मान देगा, वह सहारा क्यों नहीं देगा? वह तो देगा सहारा। यूँकि देखनेवाली बात यह भी है कि...

इमाम साहब - इतनी बकबक कर लेती है तो अहमद को समझाती क्यों नहीं? तुझसे तो थोड़ा छोटा भी है उमर में।

बसंती - यूँकि हमें समझाना तो बहुत अच्छी तरह आता है इमाम साहब। और आपके बेटे को भी समझा सकते हैं। लेकिन देखने वाली बात यह है कि जब तक हमको यह नहीं मालूम हो कि हमें समझाना क्या है, तो फिर हम समझायेंगे कैसे?

इमाम साहब - अरे भाई। अहमद का मामू जबलपुर में बीड़ी के कारख़ाने में मुलाज़िम है। तीन सौ रुपये तनख़्वाह है।

बसंती - अच्छा।

इमाम साहब - हाँ। कितनी बार मुझे लिख चुका है अहमद मियाँ को यहाँ भेज दो, अपने सेठ जी से कह कर दफ़्तर में रखवा देंगे। लेकिन यह अहमद है कि जाने को तैयार ही नहीं। कहता है, आप अकेले हो जायेंगे।

(अहमद उसी वक़्त घर में से बाहर आता है।)

अहमद - कैसी हो दीदी?

बसंती - अरे भई अहमद, हम तो ठीक हैं। लेकिन तुम यह बताओ एक तो तुम दस जमात पास भी हो, अंग्रेज़ी भी जानते हो, और तुम्हारे जबलपुर के मामू ने लिख भी दिया है कि...

अहमद - अरे दीदी! तुम भी आ गयी अब्बा की बातों में? जो मिलता

है उस से यही कहते हैं।

इमाम साहब - अरे भाई! बसंती ने पूछा मैंने कह दिया।

बसंती - यूँकि हमें बेफ़ज़ूल बात करने की आदत तो है नहीं, लेकिन सोच लो यह, कारख़ाना बीड़ी का है। जब तक दिल चाहा काम किया नहीं तो आराम से बीड़ी पी ली। यानी कि यह तो वही मिसाल हो गयी कि आम के आम गुठलियों के दाम। अरे!

अहमद - क्या हुआ?

बसंती - आम। मैं तो फिर भूल गयी थी। कच्चे आम।

इमाम साहब - कच्चे आम?

बसंती - हाँ कच्चे आम अचार के लिये। (चलती है।)

**********

शब्दावली

घोड़ी = mare (f)

घास = grass (f)

नख़रा = airs, coquetry, graces (m)

खाए जाओ = go on eating!

गधिया = she donkey (f)

झिगझिग = complaint (f)

छोकड़िया = young girl (f)

हवा हवाई घूमना = to float around (vi)

जूँ नहीं रेंगेंगी कान पर = the lice will not rub on the ear (to turn a deaf ear to, to be utterly headless)

हुक्का पानी लेना =

चढ़ जाना = to climb (to harrass)

वैद्य = doctor (m)

दवा = medicine (f)

पड़ोसी = neighbour (m)

बीमार = sick (adj)

का नाम लेना = to not take the name (not even mention)

कथा = story (f)

कच्चा = unripe (adj)

अचार = pickle (m)

इमाम = Imam (Mulsim religious leader) (m)

पैदा होना = to be born (vi)

मस्जिद = mosque (f)

सीढ़ी = staris (f)

सहारा देना = to give assistance (vt)

x की इज़्ज़त करना = to respect x (vt)

मान देना = to respect (vt)

बकबक करना = to talk nonsense (vt)

अहमद = नाम

उमर = age (f)

मामों = uncle (m)

जबलपुर = जगह का नाम

कारख़ाना = factory (m)

मुलाज़िम = employee (m)

तनख़्वाह = salary (f)

मियाँ = respectful term for Muslim men/husband (m)

सेठ = merchant (m)

रखवाना = to have something placed (vt)

अकेला = alone (adj)

दीदी = sister (older) (f)

जमात = class (f)

पास होना = to pass (vi)

की बात में आ जाना = to come into one's matter (be caught up in his/her talk) (vi)

जो मिलते हैं, उसी से कहते हैं। = he says this to everyone he meets.

बेफ़ुज़ूल = useless (adj)

आदत = habit (f)

बीड़ी = bidi (f)

जब तक दिल चाहा काम किया = work as long as you want.

बीड़ी पीना = to smoke bidi (vt)

मिसाल = example (f)

आम के आम गुठलियों के दाम = the best of both worlds. (you get the mango for the price of the seed.)

भूल जाना = to forget (vi)